कई पंखा ढुला रियो छाया में रामजी ने भूल गयो माया में

कई पंखा ढुला रियो छाया में,
रामजी ने भूल गयो माया में।bd।

कलंग कामणी को रस थु भोग्यो,
विषय वासना में आन्दो होग्यो,
जु सांड जरूखे भाया गाया में,
रामजी ने भूल गयो माया में,
कई पंखा ढुला रयो छाया में,
रामजी ने भूल गयो माया में।bd।

कुटुंब कबीला में गाड़ो फसयो,
देख देख मन में बहू हसयो,
रह गयो रे छोरा छोरिया की सगाईया में,
रामजी ने भूल गयो माया में,
कई पंखा ढुला रयो छाया में,
रामजी ने भूल गयो माया में।bd।

ऊंचा ऊंचा भवन बनाया,
खून चूस गरीबों का खाया,
जासी रे नरक की खायां में,
रामजी ने भूल गयो माया में,
कई पंखा ढुला रयो छाया में,
रामजी ने भूल गयो माया में।bd।

चेतन भारती यू चेतावे,
ऐसा अवसर फिर कब आवे,
हरि भजन करो रे इस काया में,
रामजी ने भूल गयो माया में,
कई पंखा ढुला रयो छाया में,
रामजी ने भूल गयो माया में।bd।

कई पंखा ढुला रियो छाया में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रामजी ने भूल गयो माया में।bd।

गायक – पुरण भारती जी महाराज।

Upload By – Aditya Jatav
8824030646

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com